1	2	3	4
BSP	1987-88	2173	81
	1988-89	2542	81
	1989-90	2594	82
	1990-91	2795	89
	1991-92	3104	98
DSP	1987-8S	835	89
	1988-89	832	89
	1989-90	700	75
	1990-91	727	78
	1991-92	681	73
RSP	1987-88	1156	97
	1988-89	1168	98
	1989-90	1111	93
	1990-91	1087	93
	1991-92	1125	96
BSL ...	1987-88	1968	SO
	1988-89	2277	87
	1989-90	2325	74
	1990-91	2426	77
	1991-92	2730	87
1ISCO	1987-88	542	100
	1988-89	442	100
	1989-90	333	109
	1990-91	329	97
	1991-92	387	102
* *SALEM*	1987-88	31	116
	1938-89	34	112
	1989-90	31	93
	1990-91	41	122
	1991-92	42	67
ASP ...	I9S7-88	89	91
	1988-89	107	60
	1989-90	135	76
	1990-91	145	79
	1991-92	161	87
VISL	1987-88	39	35
	1988-89	41	36
	1989-90	66	58
	1990-91	75	66
	1991-92	97	86

% Capacity Utilisation with respect to equivalent tonnes as per DPR product-mi*.

SAIL Authority

955. DR. SANJAYA SINH: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Steel Au thority of India Limited has earned ever proit in 1991-92;

(b) if so, the details thereof;

(c) wheher ii is also a fact that Steel Authority of India Limited propose to pay dividend for thg first time; and

(d) if so, tht details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) Yes, Sir.

(b) Steel Authority of India Limited (SAIL) has earned highest ever profit amounting to Rs. 371.04 crores (before tax) during the year, 1991-92. This figure is however provisional.

(c) Yes, Sir.

(d) An amount of Rs. 79.63 crores has been provided for payment as dividend to the shareholders.

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड की लाभकारिता

956. **श्री विमोद शर्मा :** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 30 मई, 1992 के "दि इकानामिक टाइम्स" में "प्राइस हाइक नाट टू एनहान्स प्रोफिटैबिलिटी, स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड चीफ" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) क्या यह सच है कि इसके उत्पादों में मूल्यों में वृद्धि के बावजूद इस संगठन के लाभ में वृद्धि की संभावना नहीं है ;

(ग) क्या इस संगठन को आर्थिक दृष्टि से और अधिक सक्षम बनाने के लिए कोई सुझाव प्राप्त हुए हैं; और

(घ) यदि हां, तो उन सुझावों का ब्यौरा क्या है और उनके कार्यान्वयन के बारे में सरकार की क्या योजना है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) जी, हां।

(ख) 19-5-1992 से लोहे और इस्पात के उत्पादों के मूल्यों में वृद्धि मुख्यत: सितम्बर, 1990 में मूल्यों में हुई पिछली सामान्य वृद्धि के बाद आदान लागतों में हुई वृद्धि को पूरा करने के लिए की गई थी और इसलिए इसका लाभदायकता पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

(ग) और (घ) उच्च उत्पादकता, उत्कृष्ट-उत्पाद मिश्र और उन्नत तकनीकी आर्थिक के जरिए सेल के समग्र उत्पादन निष्पादन तथा लाभप्रदता में सुधार करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के अतिरिक्त सेल ने उत्पादों और प्रक्रियाओं की गुणता में सुधार करने, ऊर्जा खपत में कमी करने और लागत कम करने के उद्देश्य से अपने संयंत्रों के व्यापक आधुनिकीकरण कार्यक्रम भी शुरू किए हैं ।

Steel Plant in Tripura

957. SHRIMATI VEENA VERMA: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether there is any proopsal under Government's consideration to set up a steel plant in Tripura; and

(b) if so, tht details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) Government has no proposal to set up a Steel Plant in Tripura. However, a private sector company, namely M/s Birla Technical Services is having a proposal to set up a 1 lakh tonnes per annum Mini Steel Plant in Tripura. The new Industrial Policy announced in July 1991, has removed 'iron and steel* from the list of industries reserved for the public sector and also exempted it from the requirements of compulsory licensing. Government approval for industrial licence to set up steel plants in the private or joint sector is, therefor, not required provided the location is not within 25 Kms of a city having a population of more than 10 lakhs as per the 1991 census.

(b) Does not arise in view of (a) above.

इस्पात उद्योग

958. **श्री राम नरेश यादव :** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार इस्पात उद्योग को प्रगतिशील बनाने के लिए किसी